Roll No.....

Signature of Invigilator .....

Paper Code

MD-CT-202

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2023

एम.ए. दर्शन, द्वितीय सत्र

न्याय-वैशेषिक-2

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3 x15 =45)

1. न्यायदर्शनानुसार प्रत्यक्षादि प्रमाणों के प्रमाणत्व को सिद्ध करें।

2. वैदिक वाक्यों की प्रमाणिकता को न्यायदर्शन के अनुसार सत्यापित करें।

3. वैशेषिकदर्शनानुसार हेत्वाभासों का वर्णन करें।

4. वैशेषिक दर्शन में वर्णित आत्मा के लक्षणों का प्रशस्तपादभाष्यानुसार व्याख्या करें।

5. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के शब्दबोध-प्रक्रिया का निरूपण करें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5 x5 =25)

6. ''शब्दोऽनुमानमर्थस्यानुपलब्धेरनुमेयत्वात्'' प्रस्तुत सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।

7. न्यायदर्शनानुसार अर्थवाद के स्वरूव व भेद का वर्णन करें।

8. वैशेषिकदर्शन के 'परमाणुवाद' पर प्रकाश डालें।

9. वैशेषिकदर्शनानुसार रूपोपलब्धि के कारणों का उल्लेख करें।

10. न्यायदर्शनानुसार प्रत्यक्षादि प्रमाणों से अतिरिक्त चतुर्विध प्रमाणों का वर्णन करें।

11. ''व्यक्त्याकृतिजातयस्तु पदार्थः'' सूत्र की व्याख्या करें।

12. वैशेषिकदर्शन में वर्णित आत्मा के द्रव्यत्व, नित्यत्व व नानात्व का उल्लेख करें।

----------x----------